ABOUT WRAG

The Women's Research & Action Group (WRAG) was founded in April 1993 in the wake of the communal violence that shook Mumbai in 1992. After the riots, Muslim women, who have historically been subordinated by the politics of gender and personal law, became further marginalized by identity politics both within and outside the community. WRAG stemmed from the need to create space to raise issues of gender and identity that concern women from marginalized sections of society. It also focuses its activities towards situating women's concerns and interests within a human rights framework.

VISION

WRAG's vision is a gender-just and secular society founded on the principles of equality, justice, and respect for rule of law, human rights and democratic values; and to build a world where every woman, irrespective of her caste, class, religion, race, ethnicity or other factors, is able to live life to her fullest potential, free of fear, violence, and want.

MISSION

WRAG seeks to work with individual women in the community, particularly those from marginalized sections of society, in order to bring about improvement in the socio-economic and legal status within the family and society. In addition, WRAG works at policy-level interventions aimed at creating a climate that is conducive for promotion of women's human rights, dignity, and secularism. It remains proactive at efforts for justice and accountability concerning violations of women's rights.

COMMUNITY OUTREACH PROGRAMME

This programme began in 1999 and aims at empowerment of women within their families and communities through both community work and policy-level interventions. Activities include:

- Community empowerment through solidarity- building
- Rights awareness workshops
- Training programmes on gender, sexual, and reproductive health
- Capacity-building activities with adolescent girls
- Supporting solidarity groups of single women
- Facilitating community participation in the campaign for reform of Muslim Personal Law.
- Facilitating men's involvement in gender issues

'JUSTICE & ACCOUNTABILITY MATTERS' PROGRAMME

Started in 2003, this programme aims at ending the climate of impunity for grave crimes that exist within the country, and creating a culture of respect for rule of law and human rights, particularly of women. Activities include:

- Programmes on legal literacy and human rights awareness
- Campaigns on human rights, women's rights, and the law
- ICC-India: The Indian campaign on the International Criminal Court
- Lectures, workshops, seminars, and conferences on human rights issues.
- Legal Aid to underprivileged women.
- Law Research

PUBLICATIONS

ENGLISH ONLY

- *Report of 1st National Consultation on International Criminal Court & India,* ICC-India, 2005
- *International Criminal Court: Conversations with Indian Parliamentarians.* ICC-India, 2005.
- *ICC & India: Responses to Questions Raised by Parliamentarians.* By ICC-India, 2005.
- *Muslim Women's Views on Personal Laws.* By Vahida Nainar, 2000.
- *Shano Bano and the Muslim Women Act a Decade on.* Lucy Carroll (ed.), 1998.

ENGLISH AND HINDI

- *·Supreme Court Speaks: Judgments on Muslim Law & Women's Rights.* By Saumya Uma, 2006. (forthcoming)
- *Our Voice: A Needs Assessment Study of Single and Destitute Women in Mumbai.* - By Shilpa Kashelkar-Nipunge, 2006.
- *International Criminal Court & India: Some Questions & Answers.* - By Saumya Uma, 2004.
- *Combating Impunity. A Compilation of Articles on the ICC and its Relevance for India.* Compiled by Vahida Nainar & Saumya Uma, 2004.
- *Aspects of Culture & Society: Muslim Women in India.* WRAG, 1997.
- *Women, Law and Customary Practices.* WRAG, 1997.

ENGLISH, HINDI AND URDU

- *A set of five books on Muslim Personal Law.* By Noorjehan Safia Niaz, 2003.

REPRINT : Dossiers published by **International Solidarity Network of Women Living under Muslim Law.** (Volume Numbers 1-21)

BOARD OF TRUSTEES

- Ms. Nasreen Mohammed is a social worker, specializing in issues of urban poverty, communalism and gender.
- Ms. Noorjehan Safia Niaz is a social worker. Her expertise lies in capacity-building with women in communities.
- Ms. Vahida Nainar is a lawyer, activist and co-founder of WRAG. She works on issues of justice, human rights, gender and conflict from an international law perspective nationally and internationally
- Dr. Vibhuti Patel is a feminist and activist with a Doctorate in Economics. Her specialization is in the field of Gender Economics.
- Ms. Vipula Kadri is the founder of P.R.I.D.E. India, Save the Children India, and Women's Institute for Social Education.

विश्वस्त

- नसरीन मोहम्मद : वे सामाजिक कार्यकर्ता है। शहरी गरीबी, सांप्रदायिकता और जेंडर से जुडे मामले यह उनकी विशेषता है।
- नूरजहाँ सफिया नियाज़ : वे सामाजिक कार्यकर्ता है और बस्ती की महिलाओं के सबलीकरण पर उन की विशेषता है।
- वहिदा नैनार : वकील, कार्यकर्ता और रैग की सहसंस्थापक है। अभी वे बोर्ड ऑफ वुमेन्स इनिशिएटिव्ह फॉर जेंडर जस्टिस की अध्यक्ष है। जेंडर, संघर्ष और कानून पर वे अनुसंधान कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय दण्ड न्यायालय के काम में महिलावादी दृष्टिकोण लाने के लिए कोशिश कर रही है।
- डॉ. विभूति पटेल : नारीवादी और कार्यकर्ता है, अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट। जेंडर अर्थशास्त्र यह विशेषता का क्षेत्र है।
- विपुला कादरी : प्राईड इंडिया, सेव्ह द चिल्ड्रन इंडिया, वुमेन्स इन्स्टिटयूट फॉर सोशल एडुकेशन की संस्थापक।

रॅग के बारे में

मुंबई में दिसंबर १९९२ में हुए कौमी फसादों के परिवेश में वुमेन्स रिसर्च एण्ड एक्शन ग्रुप (रॅग) की स्थापना १ अप्रैल १९९३ के दिन मुंबई में हुई। मुस्लिम महिला जो पहले से जेंडर पहचान तथा व्यक्तिगत कानून की राजनीति से परेशान थी, फसादों से प्रभावित हुई। परिणामस्वरूप उसे कौम के अंदर और बाहर की स्थिति से भी अत्याचारों का सामना करना पडा। पिछडे समाज की महिलाओं के जेंडर तथा पहचान से जुडे हुए मुद्दों को उठाने के लिए जगह तैयार करने के उद्देश से रॅग की स्थापना हुई। महिलाओं से संबंधित अधिकारों को मानवाधिकार के परिपेक्ष में रखने का कार्य रॅग कर रही है।

सपना

एक ऐसे समाज का निर्माण हो, जहाँ स्त्री-पुरुष समानता हो। एक ऐसा धर्मनिरपेक्ष समाज, जो समानता, न्याय के तत्त्वों पर आधारित हो, जहाँ कानून, मानवाधिकार और लोकतंत्र का आदर हो और एक ऐसे समाज की रचना जहाँ किसी भी जात, जमात, धर्म की महिला भय, हिंसा के बिना और चाह के साथ अपना जीवन पूरी क्षमता से जी सके।

ध्येय

परिवार और समाज में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक तथा कानूनी स्थिति में सुधार लाने के उद्देश से रॅग, समाज की व्यक्तिगत महिला के साथ काम कर रहा है, खासकर समाज के पिछडे वर्ग की महिलाओं के साथ। इस के अलावा महिलाओं के मानव अधिकार, प्रतिष्ठा और धर्मनिरपेक्षता को प्रोत्साहित करने का वातावरण निर्माण करने के उद्देश से शासकीय नीति में बदलाव लाने के लिए भी रॅग काम करता है। महिला अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित मुद्दे उठाते हुए उन्हें जवाबदेही और न्याय दिलाने का प्रयत्न रॅग द्वारा किया जाता है।

बस्ती स्तरपर कार्यक्रम

इस प्रकल्प की शुरुआत १९९९ में हुई। इस का मकसद है कि बस्ती स्तर से नीति स्तर के कार्य द्वारा महिलाओं का परिवार के अंदर और बस्ती में सबलिकरण हो। इस में यह कार्यक्रम शामिल है -

- परस्पर निर्भरता / सॉलिडेरिटि के जरिए बस्ती सबलिकरण
- अधिकारों पर जागृति कार्यशालाएं
- जेंडर, लैंगिक और प्रजनन सेहत पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
- युवतियों के साथ सबलिकरण कार्यक्रम
- एकल महिलाओं के परस्पर निर्भरता/सॉलिडेरिटि ग्रुप सहायता
- मुस्लिम व्यक्तिगत कानून के बदलाव के मोहिम में बस्ती का सहभाग बढाना
- जेंडर के सवालों पर बस्ती के पुरुषों का सहभाग बढाना

न्याय और जवाबदेही मामले

इस प्रकल्प की शुरुआत २००३ में हुई। इस कार्यक्रम का मकसद है देश में दण्डमुक्ति के माहौल और गंभीर जुर्म को खत्म करना, और एक ऐसे वातावरण का निर्माण करना जहाँ महिलाओं के मानवी अधिकार और कानूनी व्यवस्था का सम्मान हो।

- कानूनी साक्षरता, मानवी अधिकारों पर जागृति कार्यक्रम
- मानवी अधिकार, महिला अधिकार और कानून पर मोहिम
- अंतर्राष्ट्रीय दण्ड न्यायालय पर मोहिम
- मानवी अधिकार पर भाषण, कार्यक्रम, सेमिनार, कान्फ्रेन्स
- सुविधा का अभाव होनेवाले महिलाओं के लिए कानूनी सहाय्य
- न्याय अनुसंधान

प्रकाशन

केवल अंग्रेजी

- रिपोर्ट ऑफ फर्स्ट नॅशनल कन्सल्टेशन ऑन इंटरनॅशनल क्रिमिनल कोर्ट
  - आई.सी.सी.-इंडिया, २००५
- इंटरनॅशनल क्रिमिनल कोर्ट - कॉन्व्हर्सेशन्स विथ इंडियन पार्लिमेंटेरियन्स
  - आई.सी.सी.-इंडिया, २००५
- इंटरनॅशनल क्रिमिनल कोर्ट एण्ड इंडिया - रिस्पॉन्सेस टु क्वेरिज रेज्ड बाई पार्लिमेंटेरियन्स
  - आई.सी.सी.-इंडिया, २००५
- मुस्लिम वुमेन्स व्हूज ऑन पर्सनल लॉ
  - वहिदा नैनार, २०००
- शाहबानो एण्ड द मुस्लिम विमन्स एक्ट - ए डिकेड ऑन - ल्यूसी कॅरोल, १९९२

अंग्रेजी और हिन्दी

- सुप्रीम कोर्ट का कहना - मुस्लिम कानून और महिलाओं के अधिकारों पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय - सौम्या उमा, २००६ (आगामी)
- हमारी आवाज : मुंबई की एकल और बेसहारा महिलाओं की जरूरतों पर एक अध्ययन
  - शिल्पा कशेलकर-निपुणगे, २००६
- अंतर्राष्ट्रीय दण्ड न्यायालय और भारत : कुछ सवालजवाब - सौम्या उमा, २००४
- संस्कृति और समाज पर मुद्दे : भारतीय मुस्लिम महिलाएं, रैग, १९९७
- महिला कानून, रितिरिवाज - रैग, १९९७

अंग्रेजी हिन्दी और उर्दू

- मुस्लिम व्यक्तिगत कानून पर पाँच किताबे - नूरजहाँ सफिया नियाज़, २००३

पुर्नमुद्रण

- इंटरनॅशनल सोलिडेरिटि नेटवर्क ऑफ वुमेन लिव्हिंग अंडर मुस्लिम लॉ द्वारा प्रकाशित दस्तावेज (खण्ड क्र. १ से २१)

WOMEN'S RESEARCH AND ACTION GROUP
महिला संशोधन व कृति समूह

Women's Research & Action Group (WRAG)

601, Chandra Niwas
Old Police Lane
Near Andheri East Bus Depot
Mumbai 400 069

Phone : +91 22 2684 8112
Fax : +91 22 2684 8702
E-mail : wrag@vsnl.com
Website : http://www.wragindia.org

WRAG is a charitable trust, registered under the Bombay Public Trust Act. Donations to WRAG are exempt from Income Tax under Section 80G of the Income Tax Act, 1961. Exemption No. 420/TR 29869